... में प्रथम संगीति बुलाई गई।

प्रथम संगीति के संदर्भ में तथ्य

→ संगीति कौन — प्रथम संगीति

→ संगीति आयोजन कहाँ — गिरिव्रज एवं राजगृह
सप्तपर्णी गुहा, मगध महाजनपद
की राजधानी

→ यह आयोजन कब — बुद्ध के महापरिनिर्वाण के वर्ष में
483 ई० पू० — चीनी परंपरा

→ जिस समय यह संगीति आयोजित हुई, उस इस क्षेत्र पर शासन किसका — इस समय मगध महाजनपद
की सत्ता पर हर्यंक वंश का शासन
हर्यंक वंश में अजातशत्रु का शासन था
अजातशत्रु के संरक्षण में यह संगीति
हुई। वह स्वयं बौद्ध मतावलंबी था।

→ इस संगीति में कितने आचार्य की उपस्थिति रही — 500 बौद्ध आचार्यों की
उपस्थिति

→ इस संगीति की अध्यक्षता किसने की — महाकश्यप ने (मगध के थे)
जो बुद्ध के शिष्य हुआ करते थे।

जो बुद्ध के प्रिय हुआ करते थे।

इस संगीति में क्या साहित्य के संदर्भ में कोई उपलब्धि सामने आई - Yes

→ बुद्ध की शिक्षाओं का प्रथम संकलन यहीं हुआ। यह शानदार उपलब्धि रही। बुद्ध ने जो 45 वर्ष घूम-घूम कर उपदेश किया था। इस संपूर्ण उपदेश को दोहरा दिया आनंद ने। उसने पूछा 500 उपस्थित सदस्य को कोई आपत्ति हो सबने कहा नहीं। इस प्रकार बुद्ध के दिये उपदेशों का साहित्यिक संकलन हुआ, जिसे कहते हैं - सुत्तपिटक

→ सुत्त पिटक किसकी देन - बुद्ध

→ प्रथम संगायनकर्ता। - आनंद

संकलन अभी भी मौखिक, कोई लिखित रूप नहीं।